Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

ZEC

जकर्याह 1:1, जकर्याह 1:1 (#2), जकर्याह 1:3, जकर्याह 1:4, ज़कर्याह 1:6, जकर्याह 1:8, जकर्याह 1:10, जकर्याह 1:11, जकर्याह 1:12, जकर्याह 1:16–17, जकर्याह 1:19, जकर्याह 1:20–21, हबक्कूक 2:2, जकर्याह 2:4, जकर्याह 2:5, जकर्याह 2:7, जकर्याह 2:9, जकर्याह 2:11, जकर्याह 2:13, जकर्याह 3:1, जकर्याह 3:1 (#2), जकर्याह 3:3, जकर्याह 3:4, जकर्याह 3:4–5, जकर्याह 3:7, जकर्याह 3:8, जकर्याह 3:9, जकर्याह 3:10, जकर्याह 4:2–3, जकर्याह 4:4–5, जकर्याह 4:6, जकर्याह 4:7, जकर्याह 4:9, जकर्याह 4:10, जकर्याह 4:10 (#2), जकर्याह 4:14, जकर्याह 5:2, जकर्याह 5:3, जकर्याह 5:3 (#2), जकर्याह 5:4, जकर्याह 5:6, जकर्याह 5:8, जकर्याह 5:9, जकर्याह 5:11, जकर्याह 6:1, जकर्याह 6:2–3, जकर्याह 6:5, जकर्याह 6:5 (#2), जकर्याह 6:6, जकर्याह 6:8, जकर्याह 6:10–11, जकर्याह 6:12–13, जकर्याह 6:14, जकर्याह 6:15, जकर्याह 7:2, जकर्याह 7:3, जकर्याह 7:5–6, जकर्याह 7:7, जकर्याह 7:8–10, जकर्याह 7:11, जकर्याह 7:13–14, जकर्याह 8:2, जकर्याह 8:3, जकर्याह 8:4–5, जकर्याह 8:7, जकर्याह 8:9, जकर्याह 8:10, जकर्याह 8:11–12, जकर्याह 8:16–17, जकर्याह 8:19, जकर्याह 8:20–22, जकर्याह 8:23, जकर्याह 9:1–2, जकर्याह 9:4, ज़कर्याह 9:6–7, जकर्याह 9:8, जकर्याह 9:9, जकर्याह 9:9 (#2), जकर्याह 9:10, जकर्याह 9:10 (#2), जकर्याह 9:11, जकर्याह 9:13, जकर्याह 9:13 (#2), जकर्याह 9:16, जकर्याह 10:1, जकर्याह 10:2, जकर्याह 10:3, जकर्याह 10:4, जकर्याह 10:6, जकर्याह 10:9, जकर्याह 10:11, जकर्याह 11:3, जकर्याह 11:4, जकर्याह 11:6, जकर्याह 11:7, जकर्याह 11:8, ज़कर्याह 11:10, जकर्याह 11:12, जकर्याह 11:13, जकर्याह 11:14, जकर्याह 11:16, जकर्याह 11:17, जकर्याह 12:1, जकर्याह 12:3, जकर्याह 12:4, जकर्याह 12:6, जकर्याह 12:7, जकर्याह 12:9, जकर्याह 12:10, जकर्याह 12:10 (#2), जकर्याह 12:12–14, जकर्याह 13:1, जकर्याह 13:2, जकर्याह 13:2 (#2), जकर्याह 13:3, जकर्याह 13:4, जकर्याह 13:7, जकर्याह 13:7 (#2), जकर्याह 13:8, जकर्याह 13:9, जकर्याह 13:9 (#2), जकर्याह 14:2, जकर्याह 14:3, जकर्याह 14:4, जकर्याह 14:5, जकर्याह 14:8, जकर्याह 14:9, जकर्याह 14:11, जकर्याह 14:12, जकर्याह 14:13, जकर्याह 14:16, जकर्याह 14:17–18, जकर्याह 14:21

जकर्याह 1:1

जकर्याह ने किसके राज्य के समय भविष्यवाणी की थी?

जकर्याह ने दारा के राज्य के समय भविष्यवाणी की।

जकर्याह 1:1 (#2)

जकर्याह कौन थे?

जकर्याह बेरेक्याह के पुत्र थे, जो इद्दो भविष्यद्वक्ता के पुत्र थे।

जकर्याह 1:3

सेनाओं के यहोवा ने क्या कहा कि यदि लोग उनकी ओर फिरेंगे तो वह क्या करेंगे?

सेनाओं के यहोवा ने कहा कि यदि लोग उनकी ओर फिरेंगे, तो वह उनकी ओर फिरेंगे।

जकर्याह 1:4

जब यहोवा ने उन्हें उनके बुरे मार्गों से, और बुरे कामों से फिरने के लिए कहा, तो उनके पुरखाओं ने क्या किया?

उनके पुरखाओं ने यहोवा की वाणी को नहीं सुना और उस पर ध्यान नहीं दिया।

ज़कर्याह 1:6

जब लोगों ने मन फिराया, तो उन्होंने क्या कहा?

जब उन्होंने मन फिराया, तो लोगों ने कहा, "सेनाओं के यहोवा ने हमारे चाल चलन और कामों के अनुसार हम से जैसा व्यवहार करने का निश्चय किया था, वैसा ही उसने हमको बदला दिया है।"

जकर्याह 1:8

जब यहोवा का वचन रात में जकर्याह के पास आया, तब उन्होंने क्या देखा?

जकर्याह ने देखा कि एक पुरुष लाल घोड़े पर चढ़ा हुआ उन मेंहदियों के बीच खड़ा है जो नीचे स्थान में हैं, और उसके पीछे लाल और भूरे और श्वेत घोड़े भी खड़े हैं।

जकर्याह 1:10

जकर्याह ने कौन से घोड़े देखे?

वे घोड़े यहोवा ने पृथ्वी पर सैर अर्थात् घूमने के लिये भेजे थे।

जकर्याह 1:11

जो घोड़े पृथ्वी पर सैर कर रहे थे, उन्होंने क्या देखा?

घोड़ों ने देखा कि सारी पृथ्वी में शान्ति और चैन है।

जकर्याह 1:12

यहोवा के स्वर्गदूत ने यहोवा से यरूशलेम और यहूदा के नगरों के विषय में कौन सा प्रश्न पूछा?

यहोवा के स्वर्गदूत ने यहोवा से पूछा कि वह यरूशलेम और यहूदा के नगरों पर कब तक दया नहीं करेंगे।

जकर्याह 1:16–17

सेनाओं के यहोवा ने यरूशलेम और यहूदा के नगरों के बारे में क्या कहा?

यहोवा ने कहा कि वे दया करके यरूशलेम लौट आए हैं, कि उनका भवन उसके भीतर बनाया जाएगा और यरूशलेम पर नापने की डोरी डाली जाएगी। यहोवा ने यह भी कहा कि उनके नगर फिर उत्तम वस्तुओं से भर जाएँगे और यहोवा फिर से सिय्योन को शान्ति देंगे और फिर से यरूशलेम को फिर अपना ठहराएँगे।

जकर्याह 1:19

जकर्याह ने जो चार सींग देखे थे, वे क्या दर्शाते थे?

चार सींग वे थे जिन्होंने यहूदा, इस्राएल और यरूशलेम को तितर-बितर कर दिया था।

जकर्याह 1:20–21

जकर्याह ने जिन लोगों को देखा, वे कौन थे और उनका कार्य क्या था?

ये लोग वे लोग हैं जो उन्हें भगाने के लिये और उन जातियों के सींगों को काट डालने के लिये आए थे जिन्होंने यहूदा के देश को तितर-बितर करने के लिये उनके विरुद्ध अपने-अपने सींग उठाए थे।

हबक्कूक 2:2

पुरुष अपने हाथ में नापने की डोरी लेकर क्या करने जा रहा था?

वह यरूशलेम को नापने जा रहा था यह देखने के लिए कि इसकी चौड़ाई और लम्बाई कितनी है।

जकर्याह 2:4

दूसरे स्वर्गदूत ने यह क्यों कहा कि यरूशलेम बाहर-बाहर भी बसेगी?

दूसरे स्वर्गदूत ने मनुष्यों और घरेलू पशुओं की बहुतायत के मारे ऐसा कहा।

जकर्याह 2:5

यहोवा ने क्या कहा कि वह यरूशलेम के लिए क्या ठहरेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे उसके चारों ओर आग के समान शहरपनाह ठहरेंगे।

जकर्याह 2:7

यहोवा ने बाबेल जाति के संग रहनेवाली के लिए क्या घोषणा की?

यहोवा ने उन्हें सिय्योन को बचकर निकल जाने के लिए कहा।

जकर्याह 2:9

उन्हें कैसे पता चलता कि सेनाओं के यहोवा ने दूसरा स्वर्गदूत भेजा है?

दूसरे स्वर्गदूत ने कहा कि यहूदा और इस्राएल को तब पता चलेगा कि यहोवा ने उसे भेजा है जब वह उन जातियों पर अपना हाथ उठाएगा जिन्होंने उन्हें लूटा था और जब यहूदा और इस्राएल को लूटने वाली जातियाँ उन्हीं से लूटे जाएँगे जो उनके दास हुए थे।

जकर्याह 2:11

जब यहोवा आएँगे और सिय्योन में निवास करेंगे, तब क्या होगा?

जब ऐसा होगा, बहुत सी जातियाँ यहोवा से मिल जाएँगी, और उनकी प्रजा हो जाएँगी।

जकर्याह 2:13

सब प्राणियों को यहोवा के सामने चुप रहने के लिए क्यों कहा जाता है?

सब प्राणियों को यहोवा के सामने चुप रहने के लिए कहा जाता है क्योंकि वह जागकर अपने पवित्र निवास-स्थान से निकले हैं।

जकर्याह 3:1

यहोशू महायाजक के साथ कौन था?

यहोशू यहोवा के स्वर्गदूत के सामने खड़े थे और शैतान उनके दाहिने हाथ पर खड़ा था।

जकर्याह 3:1 (#2)

शैतान यहोशू के दाहिने हाथ पर क्या कर रहा था?

शैतान यहोशू का विरोध करने को खड़ा था।

जकर्याह 3:3

जब यहोशू स्वर्गदूत के सामने खड़े थे, तो उन्होंने क्या पहना हुआ था?

यहोशू मैले वस्त्र पहने हुए थे।

जकर्याह 3:4

यहोवा के दूत ने क्या कहा कि उसने यहोशू के लिए क्या किया?

दूत ने कहा कि उसने यहोशू के अधर्म को यहोशू से दूर कर दिया है।

जकर्याह 3:4–5

यहोशू के वस्त्र के विषय में क्या हुआ?

दूत ने यहोशू के मैले वस्त्रों को उतारने और उन्हें सुन्दर वस्त्र पहनाने का आदेश दिया; एक शुद्ध पगड़ी और वस्त्र पहनाए।

जकर्याह 3:7

यहोवा ने महायाजक यहोशू से क्या वादा किया कि अगर वह यहोवा के मार्गों पर चलेगा और जो कुछ उन्होंने उसे सौंप दिया है उसकी रक्षा करेगा?

यहोवा ने यहोशू से वादा किया कि वे यहोवा के भवन का न्यायी और यहोवा के आँगनों का रक्षक होगा। यहोवा ने यह भी वादा किया कि वे यहोशू को उन लोगों के सामने आने और जाने की अनुमति देंगे जो यहोवा के सामने खड़े होते हैं।

जकर्याह 3:8

यहोवा स्वयं जिस दास को प्रगट करने जा रहे थे, उसे क्या कहा जाता था?

उस दास को "शाख" कहा जाता था।

जकर्याह 3:9

सात आँखों वाले पत्थर पर खोदकर लिखे जाने वाले सन्देश का पहला भाग क्या था?

सन्देश का पहला भाग यह था कि यहोवा इस देश के अधर्म को एक ही दिन में दूर कर देंगे।

जकर्याह 3:10

यहोवा के अनुसार प्रत्येक मनुष्य अपने-अपने भाई-बन्धुओं को अपनी दाखलता और अंजीर के वृक्ष के नीचे विश्राम करने के लिए कब बुलाएगा?

यहोवा ने कहा कि यह "उसी दिन" घटित होगा।

जकर्याह 4:2–3

जब जकर्याह को जगाया गया, तब उन्होंने क्या देखा?

जकर्याह ने एक सोने का दीवट देखा जिसकी चोटी पर एक कटोरा था, जिसमें सात दीपक थे और कटोरे के पास दो जैतून के वृक्ष थे।

जकर्याह 4:4–5

क्या जकर्याह को दर्शन में बताई गई बातों का मतलब समझ आया?

जकर्याह ने उस दूत से कहा जो उनके साथ बात कर रहा था कि वे दर्शन में उन चीजों का अर्थ नहीं जानते थे।

जकर्याह 4:6

जरूब्बाबेल के लिए यहोवा का वचन क्या था कि काम कैसे होगा?

यहोवा का जरूब्बाबेल के लिए वचन था, "न तो बल से, और न शक्ति से, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा होगा।"

जकर्याह 4:7

जब जरूब्बाबेल चोटी का पत्थर लाएंगे, तो क्या कहा जाएगा?

वे चिल्लाएंगे, "उस पर अनुग्रह हो, अनुग्रह!"

जकर्याह 4:9

लोग कैसे जानेंगे कि यहोवा ने जकर्याह को उनके पास भेजा है?

लोग जान जाएँगे जब वे भविष्यवाणी को पूरा होते देखेंगे; जरुब्बाबेल ने अपने हाथों से इस भवन की नींव डाली है, और वही अपने हाथों से उसको तैयार भी करेगा।

जकर्याह 4:10

लोग जरूब्बाबेल के हाथ में क्या देखेंगे?

लोग जरूब्बाबेल के हाथ में साहुल को देखेंगे।

जकर्याह 4:10 (#2)

सात आँखों का क्या अर्थ है?

सात आँख यहोवा की आँखें हैं, जो पूरी पृथ्वी पर दृष्टि रखते हैं।

जकर्याह 4:14

दो जैतून की डालियाँ कौन हैं?

दो जैतून की शाखाएँ तेल से भरे हुए वे दो पुरुष हैं जो सारी पृथ्वी के परमेश्वर के पास हाजिर रहते हैं।

जकर्याह 5:2

जकर्याह ने जो पत्र देखा था, वह कितना बड़ा था?

पत्र की लम्बाई बीस हाथ और चौड़ाई दस हाथ की थी।

जकर्याह 5:3

दूत ने उड़ते हुए पत्र को क्या कहा था?

दूत ने कहा कि उड़ने वाला पत्र वह श्राप है जो इस सारे देश पर पड़नेवाला है।

जकर्याह 5:3 (#2)

पत्र ने किसे श्राप दिया?

पत्र जो कोई चोरी करता है और जो कोई शपथ खाता है उसे श्राप देता है

जकर्याह 5:4

श्राप ने चोर और यहोवा के नाम की झूठी शपथ खानेवाले पर क्या प्रभाव डाला?

श्राप चोर के घर में और यहोवा के नाम की झूठी शपथ खानेवाले के घर में घुसकर ठहरेगा, और उसको लकड़ी और पत्थरों समेत नष्ट कर देगा।

जकर्याह 5:6

दूत ने क्या कहा कि जकर्याह ने जो टोकरी देखी उसमें क्या था?

दूत ने कहा, "सारे देश में लोगों का यही पाप है।"

जकर्याह 5:8

दूत ने एपा के बीच में बैठी स्त्री के बारे में क्या कहा?

दूत ने एपा के बीच में बैठी स्त्री के बारे में कहा, "इसका अर्थ दुष्टता है।"

जकर्याह 5:9

दो स्त्रियों ने, जिनके पंख सारस के पंखों जैसे थे, उस एपा के साथ क्या किया?

दोनों स्त्रियाँ एपा को आकाश और पृथ्वी के बीच में उड़ाए लिए जा रही हैं।

जकर्याह 5:11

स्त्रियाँ एपा कहाँ ले जा रही थीं और उनका उद्देश्य क्या था?

स्त्रियाँ एपा को शिनार देश में एक भवन बनाने के लिए ले गईं, ताकि जब भवन तैयार हो जाए, तो एपा को उसके तैयार आधार पर वहाँ खड़ा किया जा सके।

जकर्याह 6:1

जकर्याह ने दो पीतल के पहाड़ों के बीच से क्या आते हुए देखा?

जकर्याह ने देखा कि चार रथ दो पीतल के पहाड़ों के बीच से चले आते हैं।

जकर्याह 6:2–3

प्रत्येक रथ के घोड़ों का रंग क्या था?

पहले रथ के साथ लाल घोड़े थे, दूसरे के साथ काले घोड़े थे, तीसरे के साथ श्वेत घोड़े थे, और चौथे के साथ चितकबरे और बादामी घोड़े थे।

जकर्याह 6:5

दूत ने क्या कहा कि रथ क्या थे?

दूत ने कहा कि ये आकाश की चारों वायु हैं।

जकर्याह 6:5 (#2)

ये चार रथ कहाँ थे?

ये चार रथ सारी पृथ्वी के प्रभु के पास उपस्थित रहते हैं।

जकर्याह 6:6

काले, श्वेत और चितकबरे घोड़ों के साथ तीन रथ कहाँ जा रहे थे?

काले घोड़ों वाला रथ उत्तर देश की ओर गया। सफेद घोड़ों वाला रथ पश्चिम दिशा की ओर गया। चितकबरे घोड़ों वाला रथ दक्षिण दिशा की ओर गया।

जकर्याह 6:8

उत्तर दिशा की ओर जाने वाले काले घोड़ों वाला रथ क्या करने वाला था?

काले घोड़ों वाला वह रथ जो उत्तर के देश की ओर जाते थे, उन्होंने वहाँ दूत के प्राण को ठंडा किया था।

जकर्याह 6:10–11

जकर्याह को हेल्दै, तोबियाह, और यदायाह से एकत्रित भेंट का क्या करना था?

जकर्याह से कहा गया था कि वे सपन्याह के पुत्र योशियाह के घर में भेंट लेकर जाएँ। जकर्याह को सोना चाँदी लेना था, एक मुकुट बनाना था और उसे यहोसादाक के पुत्र यहोशू, महायाजक के सिर पर रखना था।

जकर्याह 6:12–13

सेनाओं के यहोवा ने क्या कहा कि यहोसादाक के पुत्र महायाजक यहोशू क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि यहोशू अपने ही स्थान में उगकर यहोवा के मन्दिर को बनाएगा, और महिमा पाएगा, और अपने सिंहासन पर विराजमान होकर प्रभुता करेगा।

जकर्याह 6:14

यहोवा के मन्दिर में मुकुट क्यों रखा जाना चाहिए था?

यहोवा के मन्दिर में हेलेम, तोबियाह, और यदायाह के लिए एक मुकुट रखा जाना था, और वे यहोवा के मन्दिर में स्मरण के रूप में था।

जकर्याह 6:15

इन भविष्यवाणी घटनाओं को पूरा होने के लिए लोगों को क्या करना चाहिए?

यहोवा ने कहा कि ये घटनाएँ तब होंगी "यदि तुम मन लगाकर अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं का पालन करो तो यह बात पूरी होगी"

जकर्याह 7:2

बेतेलवासियों ने शरेसेर, रेगेम्मेलेक को क्यों भेजा था?

बेतेलवासियों ने उन्हें यहोवा से विनती करने भेजा था।

जकर्याह 7:3

शरेसेर, मेलेक, और उनके आदमियों ने याजकों और भविष्यवक्ताओं से क्या प्रश्न किया?

उन्होंने पूछा, "क्या हमें उपवास करके रोना चाहिये जैसे कि कितने वर्षों से हम पाँचवें महीने में करते आए हैं?"

जकर्याह 7:5–6

यहोवा ने सब साधारण लोगों और याजकों से जकर्याह के माध्यम से उपवास, खाने और पीने के बारे में कौन से दो प्रश्न पूछे?

पहला सवाल यहोवा ने पूछा था, "जब तुम इन सत्तर वर्षों के बीच पाँचवें और सातवें महीनों में उपवास और विलाप करते थे, तब क्या तुम सचमुच मेरे ही लिये उपवास करते थे?" दूसरा सवाल था, "और जब तुम खाते पीते हो, तो क्या तुम अपने ही लिये नहीं खाते, और क्या तुम अपने ही लिये नहीं पीते हो?"

जकर्याह 7:7

संक्षेप में, यहोवा ने याजकों और लोगों से अन्तिम प्रश्न क्या पूछा था?

संक्षेप में, यहोवा ने पूछा कि क्या ये वही वचन नहीं थे जो उन्होंने लोगों से कहे थे जब वे अभी भी यरूशलेम, आसपास के नगरों, नेगेव, और पश्चिमी पहाड़ियों में बसे हुए थे।

जकर्याह 7:8–10

यहोवा ने जकर्याह के माध्यम से लोगों से क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने न्यायियों से खराई से न्याय, और एक दूसरे के साथ कृपा और दया से काम करने की बात की। उन्होंने कहा कि न तो विधवा पर अंधेर करना, न अनाथों पर, न परदेशी पर, और न दीन जन पर; और न अपने-अपने मन में एक दूसरे की हानि की कल्पना करना।

जकर्याह 7:11

यहोवा के निर्देशों पर लोगों की प्रतिक्रिया कैसी थी?

लोगों ने यहोवा के वचनों पर चित्त लगाने से इंकार कर दिया।

जकर्याह 7:13–14

यहोवा ने क्या कहा कि जब वे लोग, जिन्होंने पहले यहोवा की बात सुनने से इनकार किया था, उसे पुकारेंगे, तो वह क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वह उनकी नहीं सुनेंगे और इसके अलावा, वह उन लोगों को एक आँधी के द्वारा तितर-बितर कर देंगे जिन्हें उन्होंने नहीं देखा था।

जकर्याह 8:2

यहोवा सिय्योन के प्रति अपनी भावना को कैसे व्यक्त करते हैं?

यहोवा सिय्योन के लिए बड़ी जलन और बहुत ही जलजलाहट की भावना व्यक्त करते हैं।

जकर्याह 8:3

जब यहोवा यरूशलेम के बीच में निवास करने के लिए लौटेंगे, तब यरूशलेम और यहोवा के पर्वत को क्या कहा जाएगा?

यरूशलेम को "सच्चाई का नगर" कहा जाएगा और यहोवा का पर्वत "पवित्र पर्वत" कहलाएगा जब यहोवा यरूशलेम के बीच में निवास करने के लिए लौटेंगे।

जकर्याह 8:4–5

यरूशलेम के चौकों पर फिर से कौन दिखाई देंगे?

बूढ़े और बूढ़ियाँ चौकों पर होंगे, और चौक लड़कों और लड़कियों से भरे होंगे जो उनमें खेल रहे होंगे।

जकर्याह 8:7

यहोवा अपने लोगों को कहाँ से ले आने वाले थे?

यहोवा अपने लोगों को पूरब से और पश्चिम से ले आने वाले थे।

जकर्याह 8:9

यहोवा क्यों चाहते थे कि लोग अपने हाथों को मजबूत करें?

यहोवा चाहते थे कि लोग अपने हाथों को मजबूत करें ताकि मन्दिर का पुनर्निर्माण किया जा सके।

जकर्याह 8:10

उन दिनों के पहले क्या हुआ था जब यहोवा के भवन की नींव रखी गई थी?

उन दिनों में, न तो मनुष्य की मजदूरी मिलती थी और न पशु का भाड़ा, वरन् सतानेवालों के कारण न तो आनेवाले को चैन मिलता था और न जानेवाले को; क्योंकि यहोवा सब मनुष्यों से एक दूसरे पर चढ़ाई कराता था।

जकर्याह 8:11–12

यहोवा ने क्या कहा कि जकर्याह के समय में क्या होगा?

यहोवा ने कहा कि यह पहले के दिनों जैसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शान्ति के समय की उपज अर्थात् दाखलता फला करेगी, पृथ्वी अपनी उपज उपजाया करेगी, और आकाश से ओस गिरा करेगी; क्योंकि यहोवा अपनी इस प्रजा के बचे हुओं को इन सब का अधिकारी कर देंगे।

जकर्याह 8:16–17

यहोवा लोगों को किस प्रकार आचरण करने की आज्ञा देते हैं और क्यों?

यहोवा ने कहा कि लोगों को एक दूसरे के साथ सत्य बोलना चाहिए, और अपनी कचहरियों में सच्चाई का और मेल मिलाप की नीति का न्याय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने-अपने मन में एक दूसरे की हानि की कल्पना नहीं करना चाहिए और झूठी शपथ से प्रीति नहीं रखना चाहिए। यहोवा ने इन बातों की आज्ञा दी क्योंकि इन सब कामों से यहोवा घृणा करते हैं।

जकर्याह 8:19

इस तथ्य के प्रकाश में कि चौथे, पाँचवें, सातवें और दसवें महीने के उपवास यहूदा के घराने के लिए हर्ष, आनन्द और उत्सव के पर्व होने वाले थे, यहोवा ने उन्हें क्या करने के लिए कहा था?

उन्हें सच्चाई और मेल मिलाप से प्रीति रखने के लिए कहा गया।

जकर्याह 8:20–22

यहोवा ने किसके बारे में कहा कि वह उन्हें ढूँढ़ने और उनसे विनती करने के लिये आएँगे?

यहोवा ने कहा कि बहुत से देशों के वरन् सामर्थी जातियों के लोग यहोवा को ढूँढ़ने और यहोवा से विनती करने के लिये आएँगे।

जकर्याह 8:23

उन दिनों में, भाँति-भाँति की भाषा और सब जातियों से दस आदमी यहोवा के लोगों के साथ यरूशलेम जाने के लिए क्यों कहेंगे?

वे यहोवा के लोगों के साथ यरूशलेम जाने के लिए कहेंगे क्योंकि उन्होंने सुना होगा कि परमेश्वर उनके साथ हैं।

जकर्याह 9:1–2

यहोवा की घोषणा किससे सम्बन्धित है?

यहोवा की घोषणा हद्राक देश और दमिश्क, हमात, सोर और सीदोन के विषय में है।

जकर्याह 9:4

यहोवा क्या कहते हैं कि प्रभु सोर के साथ क्या करेंगे?

यहोवा कहते हैं, "परमेश्वर उसको औरों के अधिकार में कर देगा, और उसके घमण्ड को तोड़कर समुद्र में डाल देगा; और वह नगर आग का कौर हो जाएगा।"

ज़कर्याह 9:6–7

यहोवा ने क्या कहा कि वह पलिश्तियों के साथ क्या करेंगे और उनका क्या होगा?

यहोवा ने कहा कि वे पलिश्तियों के गर्व को तोड़ेंगे। यहोवा ने यह भी कहा कि उनमें से जो बचा रहेगा, वह परमेश्वर का जन होगा, और यहूदा में अधिपति सा होगा।

जकर्याह 9:8

यहोवा ने अपने भवन के आस-पास छावनी करने का एक कारण क्या बताया है?

यहोवा ने कहा कि वे अपने भवन के आस-पास छावनी किए रहेंगे ताकि कोई सतानेवाला फिर उनके पास से होकर न जाए, क्योंकि यहोवा ये बातें अब भी देखते हैं।

जकर्याह 9:9

सिय्योन को मगन होने के लिए क्यों कहा गया है और यरूशलेम को जयजयकार करने के लिए क्यों कहा गया है?

उन्हें ऐसा करने के लिए कहा गया है क्योंकि उनका राजा आएगा वह धर्मी है और उद्धार पाया हुआ है।

जकर्याह 9:9 (#2)

उनके राजा उनके पास कैसे आएँगे?

उनके राजा दीन होंगे और वे गदहे पर वरन् गदही के बच्चे पर चढ़ाकर आएँगे।

जकर्याह 9:10

यह राजा अन्यजातियों से क्या कहेंगे?

वह राजा अन्यजातियों से शान्ति की बातें कहेंगे।

जकर्याह 9:10 (#2)

उस राजा की प्रभुता कितनी महान होगी?

वह समुद्र से समुद्र तक और महानद से पृथ्वी के दूर-दूर के देशों तक प्रभुता करेगा।

जकर्याह 9:11

यहोवा ने उनके बन्दियों को उस गड्ढे से क्यों उबार लिया है जिसमें जल नहीं है?

यहोवा कहते हैं कि उन्होंने यह उनके वाचा के लहू के कारण किया है।

जकर्याह 9:13

यहोवा ने सिय्योन के निवासियों को किसके विरुद्ध खड़ा किया है?

यहोवा ने सिय्योन के निवासियों को यूनान के निवासियों के विरुद्ध खड़ा किया है।

जकर्याह 9:13 (#2)

यहोवा ने सिय्योन को कैसा बनाया है?

यहोवा ने सिय्योन को वीर की तलवार सा कर दिया है।

जकर्याह 9:16

उस समय सिय्योन में क्या होगा जब यहोवा, उनके परमेश्वर, उन्हें उद्धार देंगे?

उस समय, सिय्योन मुकुटमणि ठहर के यहोवा की भूमि से बहुत ऊँचे पर चमकते रहेंगे।

जकर्याह 10:1

यहोवा सिय्योन के लिए क्या करेंगे?

जब वे यहोवा से प्रार्थना करेंगे, तो वह सिय्योन के लिए वर्षा देंगे, और खेत में हरियाली उगाएँगे।

जकर्याह 10:2

लोगों को भेड़-बकरियों के समान भटकने और दुर्दशा में पड़े रहने का क्या कारण है?

लोग भेड़-बकरियों के समान भटकते हैं और दुर्दशा में पड़े रहते हैं क्योंकि गृहदेवता अनर्थ बात कहते हैं, भावी कहनेवाले झूठा दर्शन देखते हैं, वे झूठे स्वप्न सुनाते हैं और व्यर्थ शान्ति देते हैं। लोगों के पास कोई चरवाहा नहीं है।

जकर्याह 10:3

यहोवा ने कहा कि वे किसे दण्डित करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वह उन बकरों—अर्थात हकीमों—को दण्ड देंगे।

जकर्याह 10:4

यहोवा ने क्या कहा कि यहूदा के घराने से क्या आएगा?

यहोवा ने कहा कि कोने का पत्थर, खूँटी, युद्ध का धनुष, और सब प्रधान प्रगट होंगे।

जकर्याह 10:6

यहोवा ने क्या कहा कि वह यहूदा और यूसुफ के घराने के लिए क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे यहूदा के घरानों को पराक्रमी करेंगे और यूसुफ के घराने का उद्धार करेंगे। यहोवा ने कहा कि वे उन्हें उन्हीं के देश में बसाएँगे और उन पर दया करेंगे।

जकर्याह 10:9

यहूदा और एप्रैम क्या करेंगे जब वे उन दूर जाति-जाति के लोगों के बीच यहोवा को स्मरण करेंगे जहाँ यहोवा ने उन्हें बिखेरा है?

वे अपने बालकों समेत जीवित लौट आएँगे जब वे उन दूर जाति-जाति के लोगों के बीच यहोवा को स्मरण करेंगे जहाँ यहोवा ने उन्हें बिखेरा है।

जकर्याह 10:11

यहोवा ने क्या कहा कि जब वह यहूदा के घराने के लोगों को उन स्थानों से इकट्ठा करेंगे तो वह मिस्र और अश्शूर के साथ क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वह अश्शूर का घमण्ड तोड़ेंगे और मिस्र का राजदण्ड जाता रहेगा।

जकर्याह 11:3

चरवाहों के हाहाकार का शब्द क्यों हो रहा है?

चरवाहों के हाहाकार का शब्द हो रहा है क्योंकि उनका वैभव नष्ट हो गया है।

जकर्याह 11:4

यहोवा ने जकर्याह को क्या करने को कहा?

यहोवा ने जकर्याह से कहा, “घात होनेवाली भेड़-बकरियों का चरवाहा हो जा!”

जकर्याह 11:6

यहोवा ने क्या कहा कि वह यहूदा के निवासियों के साथ क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे अब उन पर दया नहीं करेंगे बल्कि प्रत्येक मनुष्यों को एक दूसरे के हाथ में, और उनके राजा के हाथ में पकड़वा देंगे, और वे इस देश को नाश करेंगे।

जकर्याह 11:7

उन दो लाठियों के नाम क्या थे जिन्हें जकर्याह घात होनेवाली भेड़-बकरियों की देखभाल के लिए इस्तेमाल करते थे?

दो लाठियों के नाम "अनुग्रह" और "एकता" थे।

जकर्याह 11:8

जकर्याह ने एक महीने में तीन चरवाहों को क्यों नष्ट कर दिया?

जकर्याह ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि जकर्याह उनके कारण अधीर थे, और वे जकर्याह से घृणा करती थीं।

ज़कर्याह 11:10

जकर्याह ने अपनी लाठी "अनुग्रह" क्यों तोड़ी?

उन्होंने इसे तोड़ दिया ताकि जो वाचा उन्होंने सब अन्यजातियों के साथ बाँधी थी उसे तोड़ सके।

जकर्याह 11:12

जकर्याह को कितनी मजदूरी दी गई?

जकर्याह को चाँदी के तीस टुकड़े तौल दिए गए थे।

जकर्याह 11:13

यहोवा ने जकर्याह को उसके चाँदी के तीस टुकड़ों का क्या करने को कहा?

जकर्याह से कहा गया कि वे इन्हें कुम्हार के आगे फेंक दे।

जकर्याह 11:14

दूसरी लाठी, "एकता" को तोड़ने से क्या हुआ?

दूसरी लाठी तोड़ने से यहूदा और इस्राएल के बीच का भाईचारा समाप्त हो गया।

जकर्याह 11:16

यहोवा ने कहा कि वह देश में एक चरवाहा ठहराएँगे। वह चरवाहा क्या करेगा?

वह चरवाहा खोई हुई भेड़ों को न ढूँढ़ेगा। न तितर-बितर भेड़ों को इकट्ठी करेगा, न घायलों को चंगा करेगा, न जो भली चंगी हैं उनका पालन-पोषण करेगा, वरन् मोटियों का माँस खाएगा और उनके खुरों को फाड़ डालेगा।

जकर्याह 11:17

उस निकम्मे चरवाहे पर क्या श्राप लगाया जाता है जो झुण्ड को छोड़ देता है?

यह श्राप है: "उसकी बाँह और दाहिनी आँख दोनों पर तलवार लगेगी, तब उसकी बाँह सूख जाएगी और उसकी दाहिनी आँख फूट जाएगी।"

जकर्याह 12:1

यहोवा कौन हैं जो इस्राएल के बारे में यह घोषणा करते हैं?

यहोवा वही हैं जो आकाश का ताननेवाला, पृथ्वी की नींव डालनेवाला और मनुष्य की आत्मा का रचनेवाला है।

जकर्याह 12:3

यरूशलेम के विरुद्ध कौन इकट्ठा होने वाला है?

पृथ्वी की सारी जातियाँ यरूशलेम के विरुद्ध इकट्ठी होंगी।

जकर्याह 12:4

जिस दिन सभी अन्यजातियाँ यहूदा के विरुद्ध इकट्ठे होंगे, उस दिन यहोवा ने क्या विशेष बातें कही थीं कि वह शत्रु सेना के घोड़ों और सवारों के साथ क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वह हर एक घोड़े को घबरा देंगे उसके सवार को घायल करेंगे। यहोवा ने यह भी कहा कि वह अन्यजातियों के सब घोड़ों को अंधा कर देंगे।

जकर्याह 12:6

उस समय, यहूदा के अधिपति कैसे होंगे?

उस समय, अधिपति लकड़ी के ढेर में आग भरी अँगीठी या पूले में जलती हुई मशाल के समान होंगे।

जकर्याह 12:7

यहोवा पहले यहूदा के तम्बुओं का उद्धार क्यों करेंगे?

यहोवा पहले यहूदा के तम्बुओं का उद्धार करेंगे ताकि दाऊद के घराने का वैभव और यरूशलेम में रहने वालों का वैभव यहूदा के निवासियों से अधिक न हो।

जकर्याह 12:9

उस दिन यहोवा ने क्या करने का निश्चय किया है?

यहोवा ने कहा कि उस दिन वह उन सब जातियों का नाश करने का यत्न करेंगे जो यरूशलेम पर चढ़ाई करेंगी।

जकर्याह 12:10

उस दिन यहोवा दाऊद के घराने और यरूशलेम के निवासियों पर क्या उण्डेलेंगे?

यहोवा अनुग्रह और प्रार्थना सिखानेवाली आत्मा उण्डेलेंगे।

जकर्याह 12:10 (#2)

दाऊद का घराना और यरूशलेम के निवासी क्या करेंगे जब वे उस व्यक्ति को देखेंगे जिसे उन्होंने बेधा है?

जब वे उसे ताकेंगे जिसे उन्होंने बेधा है, तो वे उसके लिये ऐसे रोएँगे जैसे एकलौते पुत्र के लिये रोते-पीटते हैं, और ऐसा भारी शोक करेंगे, जैसा पहलौठे के लिये करते हैं।

जकर्याह 12:12–14

उस दिन सारा देश कैसा विलाप करेगा?

उस दिन, हर एक परिवार में अलग-अलग विलाप होगा, अर्थात् दाऊद के घराने का परिवार अलग, और उनकी स्त्रियाँ अलग।

जकर्याह 13:1

उस दिन दाऊद के घराने के लिये जो सोता फूटेगा, वह क्या होगा?

सोता उनके पाप और मलिनता धोने के लिए होगा।

जकर्याह 13:2

यहोवा देश से क्या मिटा डालेंगे और क्यों?

यहोवा देश से मूरतों के नाम मिटा डालेंगे ताकि वे फिर स्मरण में न रहें।

जकर्याह 13:2 (#2)

यहोवा देश से क्या निकालेंगे?

यहोवा भविष्यद्वक्ताओं और अशुद्ध आत्मा को देश में से निकाल देंगे।

जकर्याह 13:3

यदि कोई मनुष्य भविष्यवाणी करे तो उसके पिता और माता उसके साथ क्या करेंगे?

यदि कोई फिर भविष्यद्वाणी करे, तो उसके माता-पिता, जिनसे वह उत्पन्न हुआ, उसे बेध डालेंगे।

जकर्याह 13:4

उस समय, जो भविष्यवाणी करता है, वह फिर क्यों कम्बल का वस्त्र नहीं पहनेगा?

जो भविष्यवाणी करता है, वह फिर कम्बल का वस्त्र नहीं पहनेगा ताकि वह लोगों को धोखा न दे सकें।

जकर्याह 13:7

चरवाहा कौन है?

चरवाहा "मेरे ठहराए हुए" हैं।

जकर्याह 13:7 (#2)

जब चरवाहे को काट डाला जाता है, तो भेड़-बकरियों का क्या होगा?

जब चरवाहे को काट डाला जाता है, तो भेड़-बकरियाँ तितर-बितर हो जाएँगी।

जकर्याह 13:8

यहोवा ने क्या घोषणा की है कि सारे देश में क्या घटित होगा?

यहोवा घोषित करते हैं कि इस देश के सारे निवासियों की दो तिहाई मार डाली जाएँगी और बची हुई तिहाई उसमें बनी रहेगी।

जकर्याह 13:9

जो तिहाई बचेगा उसका क्या होगा?

उस तिहाई को यहोवा आग में डालकर ऐसा निर्मल करेंगे, जैसा रूपा निर्मल किया जाता है, और ऐसा जाँचेंगे जैसा सोना जाँचा जाता है।

जकर्याह 13:9 (#2)

जो तिहाई बचेगा वे क्या कहेंगे?

जो तिहाई बचेगा वे कहेंगे, 'यहोवा हमारा परमेश्वर है।'"

जकर्याह 14:2

यरूशलेम की लूट उनके बीच क्यों बाँटी जाएगी?

यरूशलेम की लूट उनके बीच बाँटी जाएगी क्योंकि यहोवा सब जातियों को यरूशलेम से लड़ने के लिये इकट्ठा, और नगर ले लिया जाएगा। घर लूटे जाएँगे।

जकर्याह 14:3

यरूशलेम के विरुद्ध लड़ने वाले जातियों का क्या होगा?

यहोवा उन जातियों के विरुद्ध वैसे ही युद्ध करेंगे जैसे वह संग्राम के दिन में लड़े थे।

जकर्याह 14:4

जब यहोवा जैतून के पर्वत पर खड़ा होगा तो उसका क्या होगा?

जैतून का पर्वत पूरब से लेकर पश्चिम तक बीचों बीच से फटकर बहुत बड़ा खड्ड हो जाएगा।

जकर्याह 14:5

यहोवा और पवित्र लोग कब आएँगे?

यहोवा और पवित्र लोग तब आएँगे जब यरूशलेम के निवासी यहोवा के पर्वतों में बनी तराई से होकर भाग जायेंगे।

जकर्याह 14:8

यरूशलेम से जीवन का जल फूटकर कहाँ जाएगा?

उसकी एक शाखा पूरब के ताल की ओर जाएगी और दूसरी पश्चिम के समुद्र की ओर बहेगी।

जकर्याह 14:9

सारी पृथ्वी पर कौन राजा होंगे?

यहोवा सारी पृथ्वी के राजा होंगे।

जकर्याह 14:11

क्या परमेश्वर यरूशलेम का विनाश करेंगे?

उनके खिलाफ परमेश्वर की ओर से कोई सत्यानाश का श्राप न होगा; यरूशलेम बेखटके बसी रहेगी।

जकर्याह 14:12

यहोवा उन सभी लोगों पर कौन सी विपत्ति लाएँगे जिन्होंने यरूशलेम के विरुद्ध युद्ध किया है?

यरूशलेम के विरुद्ध युद्ध करने वाले सभी लोगों का माँस, आँखें और जीभ सड़ जाएगा।

जकर्याह 14:13

जब यहोवा की ओर से उनमें बड़ी घबराहट पैठेगी, तब क्या घटित होगा?

प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे के हाथ को पकड़ेंगे, और एक दूसरे पर अपने-अपने हाथ उठाएँगे।

जकर्याह 14:16

यरूशलेम के विरुद्ध आने वाली जातियों में बचे हुए लोग क्या करेंगे?

जो लोग उन जातियों में रहते हैं, वे प्रतिवर्ष राजा को अर्थात् सेनाओं के यहोवा को दण्डवत् करने, और झोपड़ियों का पर्व मानने के लिये यरूशलेम को जाया करेंगे।

जकर्याह 14:17–18

यदि पृथ्वी के सभी जातियों में से कोई भी यरूशलेम में राजा, सेनाओं के यहोवा की आराधना करने के लिए नहीं जाता है, तो क्या होगा?

यदि कोई यरूशलेम नहीं जाता, तो उनके यहाँ वर्षा न होगी। जो जातियाँ झोपड़ियों का पर्व मनाने के लिए नहीं जाते, उन पर मरी पड़ेगी।

जकर्याह 14:21

उस दिन सेनाओं के यहोवा के भवन में कौन न रहेगा?

उस दिन व्यापारी सेनाओं के यहोवा के भवन में नहीं रहेंगे।